संक्षिप्त यजुर्वेद

रामराज उपाध्याय

पुनरुत्थान

पुनरुत्थान प्रकाशन सेवा ट्रस्ट

ज्ञानदान ग्रंथमाला

संक्षिप्त यजुर्वेद

लेखक

रामनाथ उपाध्याय

ISBN - 978-81-909702-3-5

जनकल्याण प्रकाशन सेवा ट्रस्ट

ज्ञानसागर ग्रंथमाला ५७५

संक्षिप्त यजुर्वेद

लेखक
रामराज उपाध्याय

प्रकाशक
पुनरुत्थान प्रकाशन सेवा ट्रस्ट
ज्ञानम् ९ बी, आनंद पार्क, डॉ. हेडगेवार भवन के सामने,
बलिया काका मार्ग, जूना ढोर बाजार, कांकरिया, अहमदाबाद ३८० ०२८
दूरभाष : ०७९-२५३२२६५५

मुद्रक
नूतन आर्ट, अहमदाबाद

प्रकाशन तिथि
चैत्र कृष्ण दशमी, युगाब्द ५१२५, १५ अप्रैल २०२३

संकल्पना और निर्माण
पुनरुत्थान विद्यापीठ

प्रतियाँ
२५०

मूल्य
रू. १९०

अनुक्रमणिका

१	यजुर्वेद परिचय	१
२	वैदिक ऋषियों का परिचय	४८
३	यजुर्वेद भाष्यकारों का परिचय	७१
४	यजुर्वेदीय देवता विचार	८७
५	मंत्रों की महनीयता	११४

गंगेश्वरगौरवम्

आचार्य पं. गंगेश्वरपाण्डेय अभिनन्दन ग्रन्थ

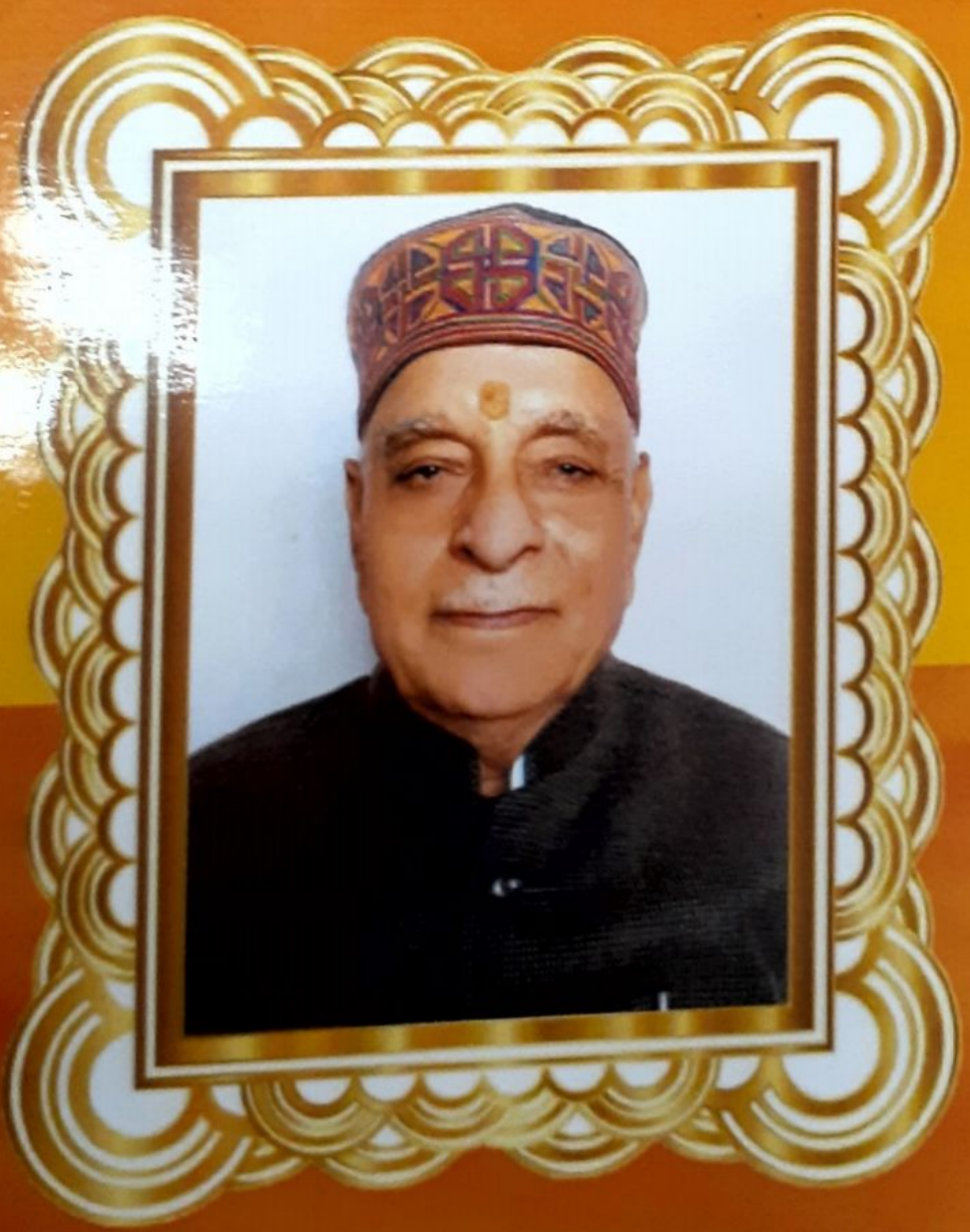

सम्पादक
महामहोपाध्याय प्रो. जयप्रकाशनारायण द्विवेदी

© कॉपीराइटः
श्रीनाथ संस्कृत महाविद्यालय,
हाटा - कुशीनगर, उत्तर प्रदेश

ISBN No. 978-81-956738-4-1

प्रकाशन तिथि :
मार्गशीर्ष शुक्ल पञ्चमी, दि. 17.12.2023

मूल्य : 1000/-

प्रकाशक
अभ्युदय प्रकाशन
C-2/3, विजय एन्क्लेव, पालम डाबड़ी मार्ग
नई दिल्ली-110045

❖ **साक्ष्य-साक्षी विवेक:** 352
- श्री अभिषेक कुमार चतुर्वेदी, श्री अवधेश प्रताप सिंह, रीवा विश्वविद्यालय, रीवा, म.प्र.

❖ **पर्सनेलिटी एनालिसिस थ्रो एनसिएन्ट एण्ड मार्डन साइंस** 360
- डॉ. पवन द्विवेदी, प्रो. एवं डायरेक्टर, पारुल यूनि. बडोदरा, गुजरात

❖ **न्यू एजुकेशन पालिसी 2020** 371
- श्री राजेश कुमार शर्मा, प्राचार्य, रूद्रपुर खजनी पी.जी.कॉलेज

❖ **शिक्षा तथा इसकी व्यवस्था ऐसी क्यों?** 378
- श्री शिव प्रसाद शुक्ल, कार्यकारिणी सदस्य, श्रीनाथ सं. महाविद्यालय, हाटा कुशीनगर

❖ **यागेषु दक्षिणाविचार:** 381
- डॉ. रामराज उपाध्याय, श्रीला.ब.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली

❖ **वैदिक धर्म और दर्शन** 386
- श्री योगेन्द्र मिश्र, प्रधानाचार्य, आदर्श ई. का., उ.प्र.

❖ **धर्म एवं अध्यात्म के आलोक में देवभूमि मिथिला** 389
- श्री मोहन पाण्डेय "भ्रमर", स.प्रो. श्रीनाथ सं. महाविद्यालय, हाटा कुशीनगर

❖ **आहार की उपयोगिता** 398
- डॉ. भागवत मिश्र, अध्यापक, इ.का. वोदरवार

❖ **माध्यमिक स्तर के उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि.....** 404
- श्री रजनीश कुमार पाण्डेय

❖ **A literary analysis of marginalised women.....** 419
- सुश्री हर्षिता पाण्डेय, एल.बी.एस., नई दिल्ली

❖ **वर्तमान सन्दर्भे सांख्यदर्शनस्य प्रासङ्गिकता** 429
- प्रो. मार्कण्डेयनाथ तिवारी, विभागाध्यक्ष, सांख्ययोग विभाग, श्री ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

❖ **एक कर्मयोगी का व्यक्तित्व एवं वंश परम्परा** 434
- ई. लालबिहारी पाण्डेय, ग्राम फुलवरिया, लक्ष्मीगंज

❖ **चित्रविथी - IV** 440

* * *

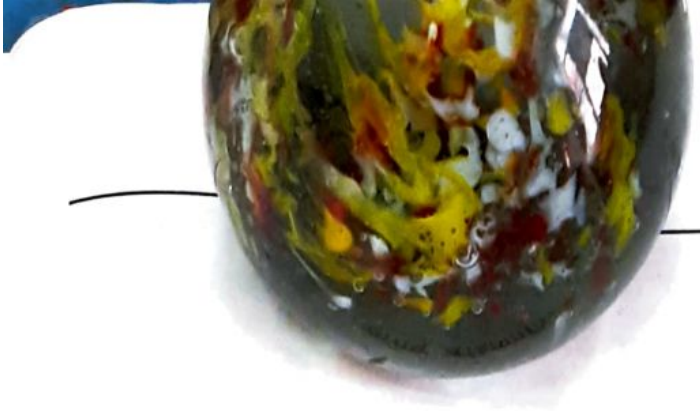

यागेषु दक्षिणाविचारः

- प्रो. रामराज उपाध्यायः

'दक्षिणावन्तो अमृतं भजन्ते दक्षिणावन्तः प्रतिरन्त आयुः इत्यनेन मन्त्रेण स्पष्टं भवति यत् दक्षिणावन्तो यजमान अमरत्वं प्राप्नोति आयुवन्तोऽपि भवति। दक्षिणाभिर्हि यज्ञः स्तूयतेऽश्ने यो वै कश्चन दक्षिणां ददाति स्तूयते एव सः। एषा ह वै यज्ञस्य पुरोगयी यद्दक्षिणा अर्थात् यज्ञस्य पुरोगयी दक्षिणा विद्यते।

दक्षिणा सुप्रसिद्ध अस्ति। सर्वेषां यज्ञादिपुण्यकर्मणां सम्पादने दक्षिणायाः विधानं प्राप्यते। ब्राह्मणे दक्षिणा देया या यत्र परिकीर्तिता। कर्मान्तेऽनुध्यमानायां पूर्णपात्रादिका भवेदिति कात्यायनस्य मतानुसारेण यस्मिन् यागे यथा दक्षिणायाः वर्णनं प्राप्यते तस्मिन् यागे तथा ब्राह्मणाय दक्षिणां दद्यात्।

श्रौते कर्मण्युभ्यविधा दक्षिणा श्रूयते सजीवा निर्जीवा च। स्मार्त्ते कर्मणि बहुत्र यजमानैकमात्रकर्तृत्वेन परिक्रयार्थद्रव्यदानरूपया दक्षिणाया अभाव प्राप्यते ऋत्विक् सवधाभावात्। पूर्णपात्रवरादिद्रव्यदानविधानं ब्रह्मचर्याद्यपेक्षितपुरुषप्रवृत्तये च प्राप्यते। वर्णानुसारेण दक्षिणायाः विधानमित्थं प्राप्यते-आचार्याय वरं ददाति। वरः अत्र दक्षिणा विद्यते। गो ब्राह्मणस्य वरः। ग्रामो राजन्यस्य। अश्वो वैश्यस्य। पौराणिकेभ्य हिरण्यं दक्षिणा प्राधान्यतः भूमिगौवस्त्राण्यपि विशेषतया दक्षिणारूपेण वर्तन्ते। शुभो या एता यज्ञस्य यद्दक्षिणाः अर्थात् यज्ञस्य शुभमस्ति दक्षिणा। यज्ञानां सम्पादनं शुभाय क्रियते। ताण्ड्यमहाब्राह्मणे प्राप्यते कल्याणं नाम दक्षिणा। ऋत्विक् वचनं तत्र सोमप्रवाकेन सह प्राप्यते।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी

Value addition Courses

VAC-10

Bachelor of Arts

भारतीय वाङ्मय में नैतिक शिक्षा

Moral Education from Indian Scriptures

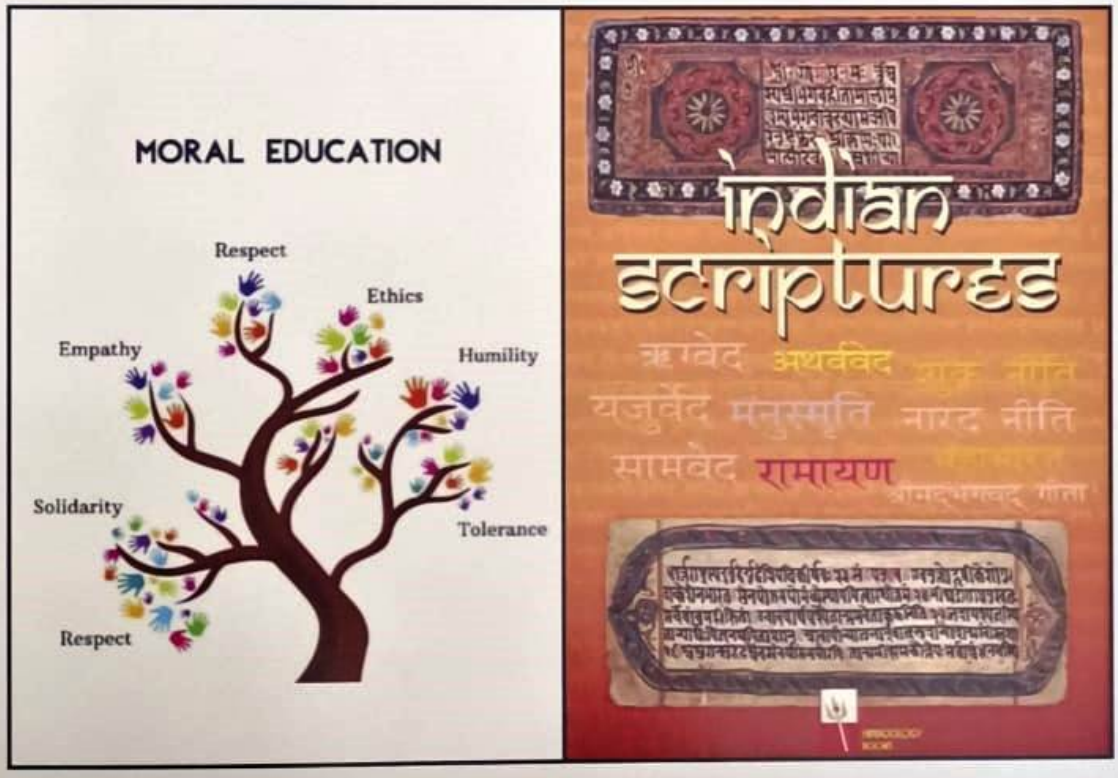

विशेषज्ञ समिति एवं अध्ययन समिति

कुलपति - अध्यक्ष
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

प्रोफेसर रेनू प्रकाश
निदेशक, मानविकी विद्याशाखा
उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी

डॉ. नन्दन कुमार तिवारी - संयोजक
असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं समन्वयक, ज्योतिष विभाग
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय , हल्द्वानी

प्रोफेसर रामानुज उपाध्याय
अध्यक्ष, वेद विभाग, नई दिल्ली

प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय
अध्यक्षचर, ज्योतिष विभाग
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

प्रोफेसर श्याम देव मिश्र
अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जम्मू परिसर

प्रोफेसर उपेन्द्र त्रिपाठी
वेद विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

प्रोफेसर रामराज उपाध्याय
अध्यक्षचर, पौरोहित्य विभाग, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम निर्माण, संयोजन एवं सम्पादन

डॉ. नन्दन कुमार तिवारी
असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष - वैदिक ज्योतिष एवं भारतीय कर्मकाण्ड विभाग
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय , हल्द्वानी

इकाई लेखन	खण्ड	इकाई संख्या
प्रोफेसर रामराज उपाध्याय अध्यक्षचर, पौरोहित्य विभाग, ला.ब.शा. रा. सं.वि., नई दिल्ली	1	1,2,3
प्रोफेसर श्याम देव मिश्र अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर, लखनऊ	1	4,5
प्रोफेसर श्याम देव मिश्र अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर, लखनऊ	2	1,2,3,4

कापीराइट @ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रकाशन वर्ष - 2024

प्रकाशक - उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

मुद्रक: - उत्तरायण प्रकाशन, हल्द्वानी

ISBN NO. –

नोट : - (इस पुस्तक के समस्त इकाईयों के लेखन तथा कॉपीराइट संबंधी किसी भी मामले के लिये संबंधित इकाई लेखक जिम्मेदार होगा। किसी भी विवाद का निस्तारण नैनीताल स्थित उच्च न्यायालय अथवा हल्द्वानी सत्रीय न्यायालय में किया जायेगा।)

VALUE ADDITION COURSE **VAC-10**

भारतीय वाङ्मय में नैतिक शिक्षा

(MORAL EDUCATION FROM INDIAN SCRIPTURES)

BA-23 II Semester

अनुक्रम

प्रथम खण्ड – वैदिक नैतिक शिक्षा	**पृष्ठ - 2**
इकाई 1: वेदों में प्रतिपादित नैतिक शिक्षा	3-16
इकाई 2: ईशादि नौ उपनिषदों के अनुसार नैतिक शिक्षा	17-31
इकाई 3: प्रमुख पुराणों के अनुसार नैतिक शिक्षा	32-46
इकाई 4: स्मृति ग्रन्थों में नैतिक शिक्षा	47-70
इकाई 5 : भारतीय नीति ग्रन्थों में नैतिक शिक्षा	71-93
द्वितीय खण्ड – भारतीय प्रमुख शास्त्रों में प्रतिपादित नैतिक शिक्षा	**पृष्ठ-94**
इकाई 1 : बाल्मीकी रामायण के अनुसार नैतिक शिक्षा	95-115
इकाई 2 : महाभारत में प्रतिपादित नैतिक शिक्षा	116-134
इकाइ 3: श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार नैतिक मूल्यांकन	135-151
इकाइ 4: श्रीरामचरितमानस के अनुसार नैतिक मूल्यांकन	152-163